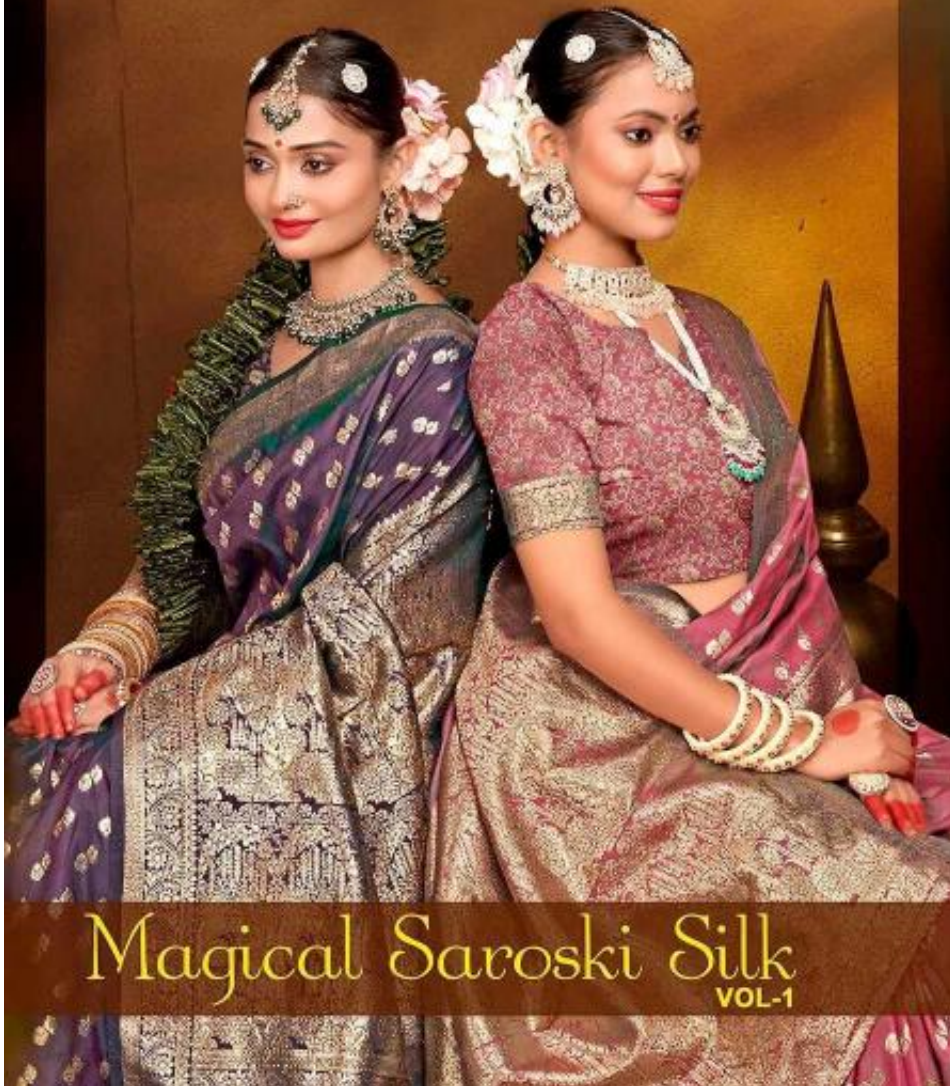
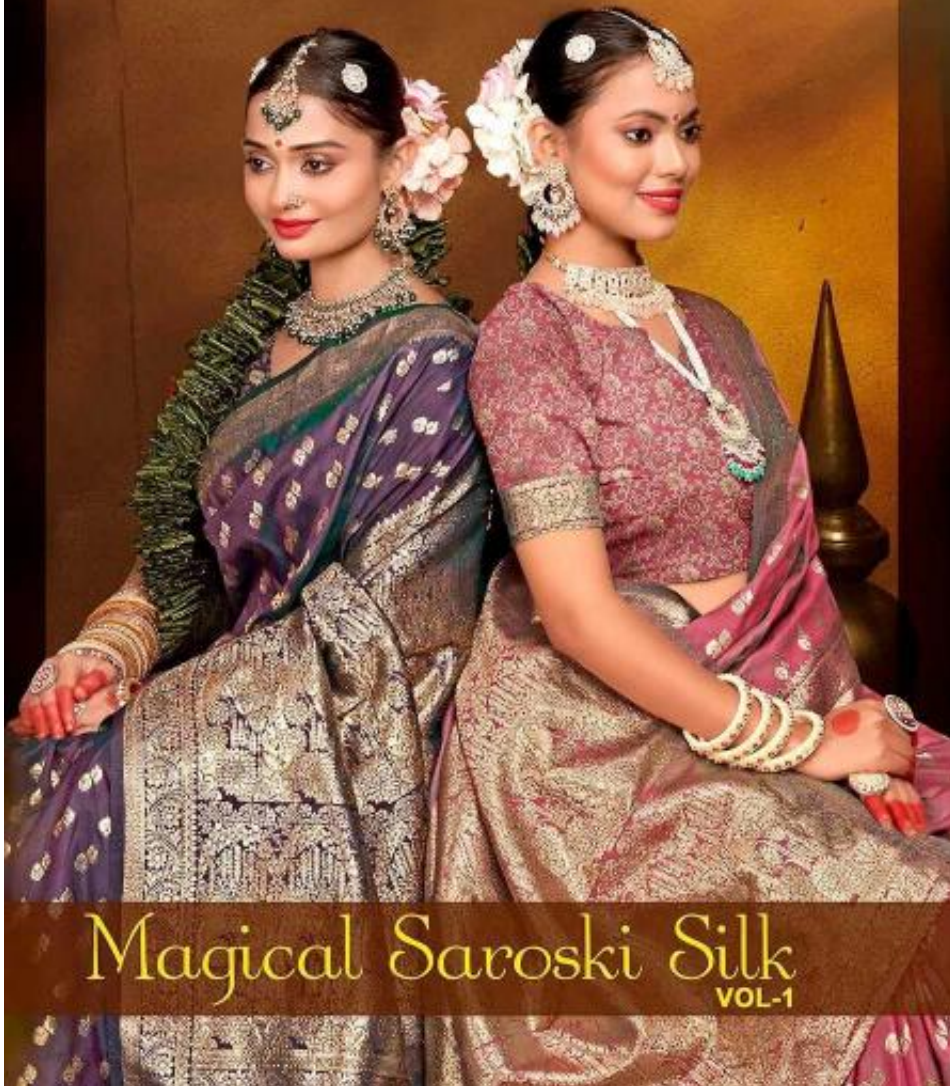


Saroj



Magical Saroski Silk  
VOL-1

Saroj



Magical Saroski Silk  
VOL-1



नीचं शक्यत्वं वास्य सत्त्वदां गुणैर्लब्धि ।  
गुरोस्तु न कपुत्सिधे न कल्पत्सिना भवेत् ।

सरे

1001  
*Saree*

1002

1003

1004

1005

1006



1001



1002



1003



1004



1005





1006